विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग-दशम्

विषय-हिन्दी

|| अभ्यास-सामग्री ||

आज की कक्षा में आपको

' नेताजी का चश्मा ' पाठ के कुछ गद्यांश आधारित प्रश्नोत्तर दिए जा रहे हैं ,जिनके उत्तर आपको देने हैं ।

खंड 'घ'

नेताजी का चश्मा

(स्वयं प्रकाश)

अभ्यास-कार्य—126

नाम.....	कक्षा.....	अनुक्रमांक.....	समय 30 मिनट	अधिकतम अंक 15	प्राप्तांक

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए, एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है?

प्र०1. हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा? 1

उत्तर

प्र०2. हालदार साहब के अवाक् रह जाने का क्या कारण था? 2

उत्तर

प्र०3. बूढ़ा-मरियल आदमी क्या काम करता था? 1

उत्तर

प्र०4. हालदार साहब किस कारण सोच में पड़ गए? 2

उत्तर

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्र०1. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? 3

उत्तर

प्र०2. पानवाला और कैप्टन में से असली लँगड़ा कौन है? तर्क सहित उत्तर दीजिए। 3

उत्तर

प्र०3. हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुकते और नेताजी को निहारते, कैप्टन की मृत्यु के बाद कस्बे से गुज़रते हुए मायूस हो गए। इससे हालदार साहब का कैसा व्यक्तित्व उभरकर सामने आता है? 3

उत्तर